DELHI PUBLIC SCHOOL NEWTOWN
SESSION 2024-25
FINAL EXAMINATION

CLASS: IX **FULL MARKS: 80**
SUBJECT: HINDI [SET-A] **TIME: 3 HOURS**

Candidates are allowed an additional 15 minutes for only reading the paper.
They must not start writing during the time.
Answer Questions 1,2 and 3 in Section A and four from Section B on any three out of the four prescribed textbooks.
The intended marks for questions are given in brackets. [ ]
This paper consists of SIX printed pages.

SECTION A (40 MARKS)

Attempt all questions

Question 1

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :- **[15]**

(i) शहरी जीवन में बढ़ता प्रदूषण मनुष्य के लिए जानलेवा होता जा रहा है, ये प्रदूषण किस तरह के हैं एवं इसके कारण क्या है? आपको यदि इसकी रोकथाम की जिम्मेदारी दी जाए तो आप क्या करेंगे?

(ii) एक बार आप विद्यालय से घर जा रहे थे, रास्ते में ही घनघोर वर्षा शुरू हो गई, वर्षा से बचने के लिए वहाँ कोई स्थान न था और आप बुरी तरह भींगते हुए घर पहुँचे। इस घटना का विवरण दीजिए।

(iii) समाचार पत्र के रंग, रूप , प्रयोग से आप सभी परिचित हैं,किन्तु आज इसका रूप बदलता जा रहा है, इस रूप परिवर्तन के पीछे कारण क्या है ? समाचार पत्र की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि यह किस प्रकार आपके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

(iv) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित शीर्षक हो - 'जैसी करनी, वैसी भरनी।'

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए-

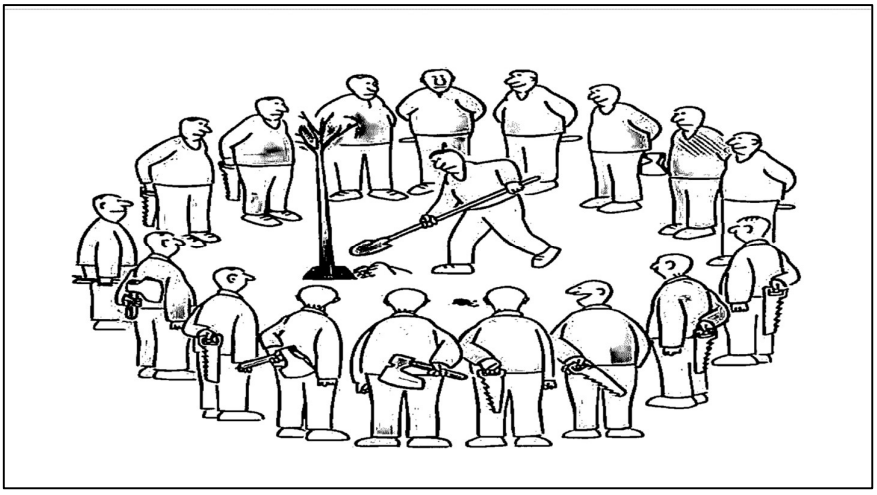

Question 2

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए : [7]

(i) आए दिन मुहल्ले में बढ़ती चोरी के विषय की जानकारी और उसके निदान के विषय में स्थानीय पुलिस अधिकारी को पत्र लिखिए।

(ii) अस्पताल में भर्ती अपने किसी अस्वस्थ मित्र से उसका हाल पूछते हुए उसे सांत्वना पत्र लिखिए।

Question 3

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा उसके नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखें :

एक निर्धन मजदूर दिन भर अपना लहू पसीना एक कर साल के अंत समय दो आने पैसे अपनी चादर में बांधकर घर लौट रहा था| नंगे सिर और नंगे पैर था,फिर भी प्रसन्न था | वह अपने वर्तमान जीवन से खुश था और घर पहुँचकर सुख की नींद सोना चाहता था उसके दिल में आशा भरी थी, छोटे-छोटे सपने थे| प्रतिदिन की कमाई उसे इतनी खुशी देती कि दुख या चिंता का उसके जीवन में नामोनिशान तक न था| जीवन में कुछ कर गुजरने के सपने लिए वह चला जा रहा था| सामने से एक बारात आ रही थी| मजदूर सोचने लगा कभी मेरी भी शादी होगी, मैं भी बाजे गाजे के साथ दुल्हन लाऊँगा| उसका मन भावी जीवन की खुशियों के बारे में सोचकर मानो नाचने लगा| वह भी विवाह करके किसी अपने जीवन साथी के साथ अपना जीवन प्रसन्नता में बिताना चाहता था| तभी किसी ने हाथ पकड़ कठोरता से उसे धकेल देते हुए कहा—एक तरफ हट ! मजदूर के ब्याह की कल्पना मिट्टी में मिल गई | वह खीझकर बोला "क्यों हट जाऊँ सड़क क्या तेरे बाप की है|" बारात वालों ने उसे खूब पीटा उसकी चादर फाड़ दी और उसे झाड़ियों में फेंक दिया| रात का सन्नाटा था बारात जा चुकी थी मजदूर अकेला था और उसके चारों ओर निराशा का अंधेरा था उसने आकाश की ओर आँखें उठाई और बोला--हे प्रभु मेरे पास ना धन-दौलत है, न महल या नौकर-चाकर| जब कुछ भी नहीं देना था तो तूने मुझे पैदा क्यों किया?

कई वर्ष बीत गए मजदूर ने जी जान से काम किया और अब वह नगर के धनी व्यक्तियों में से एक था| उसके पास विशाल महल, दास दासियाँ, घोड़े,पालकियाँ आदि सब कुछ था| एक दिन साँझ को पालकी पर सवार होकर वह घर लौट रहा था, अचानक पालकी रुक गई| उसने पूछा पालकी क्यों रोक दी? सेवक ने कहा—"मालिक मजदूरों की बारात आ रही है, सड़क पर चलने का स्थान नहीं है|" 'उन्हें कहो एक ओर हट जाए'-धनी बोला| वे कहते हैं सड़क सिर्फ तुम्हारे लिए नहीं है-सेवक ने बताया| 'डंडे मार-मार कर भगा दो हमारा रास्ता रोकते हैं'-क्रोधित स्वर में वह चिल्लाया| डंडे बरसने लगे| मजदूर चीखते चिल्लाते इधर-उधर भागने लगे | उनकी चीखों से पालकी सवार को बड़ी परेशानी हो रही थी| उसके सिर में दर्द होने लगा| उसने कहा—'मुझे पालकी से उतार दो, मैं थोड़ी देर आराम करूँगा फिर आगे जाएँगे| सड़क के एक ओर स्थान देखकर नरम गलीचा बिछाया गया, वह पालकी से उतरकर आराम से बैठ गया| उसे लगा वह पहले भी कभी यहाँ बैठा है| शायद पिछले जन्म में| अपनी आँखें आसमान की ओर उठाई- " हे प्रभु इन अभागे मजदूरों के पास कुछ भी नहीं है| तूने इन्हें क्यों पैदा किया क्या सिर्फ इसलिए कि ये हमारे रास्ते का रोड़ा बने और हमारा समय नष्ट करें| आखिर दुनिया में इनकी जरूरत क्या है? यह बोलते समय वह भूल गया कि वह एक दिन क्या था? ईश्वर ने उसे एक संकेत भी दिया, उसे उसी स्थान पर विश्राम करना पड़ा, जहाँ किसी ने उसे पीट-पीट कर गिरा दिया था, परंतु वह अपना अतीत, अपने कठिन जीवन की यात्रा भूल गया था|

(i) गरीब होने पर भी मजदूर क्यों प्रसन्न था ? [2]

(ii) बारात देख कर मजदूर ने क्या अनुभव किया? [2]

(iii) बारात वालों ने मजदूर के साथ कैसा बर्ताव किया? मजदूर ने अपना दुख किन शब्दों में व्यक्त किया? [2]

(iv) धनी व्यक्ति ने मजदूरों को रास्ते से हटाने के लिए पालकी वाले से क्या कहा और क्यों? [2]

(v) धनी व्यक्ति अपनी कौन सी बात भूल गया था? [2]

Question 4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(i) 'गलती' का विलोम बताएँ – [1]

a) सत्य
b) सच
c) सुधार
d) सही

(ii) 'पैर' का पर्यायवाची बताइए – [1]

a) पंथ , पग
b) चरण , पथ
c) पग , कदंब
d) कदम , पग

(iii) 'सोना' का विशेषण बताइए – [1]

a) सुनहरा
b) सोनी
c) सुंदर
d) नींद

(iv) 'लड़का' का भाववाचक संज्ञा बताइए – [1]

a) लड्काई
b) लड़ाई
c) लड़कपन
d) लड़की

(v) श्रीन्गार का शुद्ध रूप बताइए – [1]

a) श्रृंगार
b) सृंगार
c) शृंगार
d) सिंगार

(vi) 'कान का कच्चा' मुहावरें का अर्थ बताइए – [1]

a) जल्दी अविश्वास करना

b) जल्दी विश्वास कर लेना

c) प्रस्ताव देना

d) सुनाई न देना

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए – [1]

मेरा <u>लक्ष</u> एक सफल अध्यापक बनना है |

(रेखांकित शब्द के स्थान पर सही शब्द का प्रयोग कीजिए)

a) मेरा लक्ष्य एक सफल अध्यापक बनना है |

b) मेरा लाक्ष एक सफल अध्यापक बनना है |

c) मेरा लछ एक सफल अध्यापक बनना है |

d) मेरा कर्तव्य एक सफल अध्यापक बनना है |

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए – **[1]**

अध्यापक बच्चों को पढ़ाएँगे | (भूतकाल में बदलिए)

a) अध्यापकगन बच्चों को पढ़ाएंगे |

b) अध्यापक बच्चों को पढ़ा रहे थे |

c) शिक्षकों ने बच्चों को पढ़ाया है |

d) शिक्षकवृंद बच्चों को पढ़ाते है |

<u>SECTION A (40 MARKS)</u>

Attempt any four questions.

Question 5

वह सीधा-सादा देहाती गृहस्थ का मकान था,किन्तु आनंदी ने थोड़े ही दिनों में अपने आपको इस नई परिस्थिति के ऐसा अनुकूल बना लिया है ,मानो विलास के सामान कभी देखे ही न थे |

बड़े घर की बेटी
(प्रेमचंद)

(i) देहाती गृहस्थ से क्या तात्पर्य है ? वह किसका गृहस्थ था ? [2]

(ii) आनंदी के पिता के लिए सीधे-सादे गृहस्थ के चुनाव का कारण क्या था ? [2]

(iii) आनंदी के घर की और उसकी नई परिस्थिति में क्या अंतर था ? [3]

(iv) कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें| [3]

Question 6

मैंने देखा कि कोहरे की सफेदी में कुछ ही हाथ दूर से एक काली सी मूर्ति हमारी तरफ आ रही थी मैंने कहा - होगा कोई तीन गज की दूरी से दिखाई पड़ा एक लड़का, सिर के बड़े-बड़े बाल खुजलाता चला आ रहा था।

अपना-अपना भाग्य
(जैनेन्द्र कुमार)

(i) 'मैंने' से किसकी ओर संकेत किया गया है और उसके साथ कौन था? [2]

(ii) कोहरे की सफेदी में क्या देखा गया था और कहाँ ? [2]

(iii) दिखने वाले की अवस्था का वर्णन कीजिए ? [3]

(iv) यह किस प्रकार की कहानी है और समाज के किस पक्ष को उद्घाटित करती है ? [3]

Question 7

फौजी वर्दी में मूर्ति को देखते ही दिल्ली चलो और तुम मुझे खून दो...वगैरह याद आने लगते थे | इस दृष्टि में यह सफल और सराहनीय प्रयास था, केवल एक चीज की कसर थी जो देखते खटकती थी |

नेताजी का चश्मा
(स्वयं प्रकाश)

(i) मूर्ति किसकी थी और उसकी क्या विशेषता थी ? [2]

(ii) मूर्ति किसने बनाई थी और क्यों? [2]

(iii) मूर्ति में कसर क्या थी और किसे दिखाई दी ? कसर कैसे पूरी होती थी ? [3]

(iv) कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें | [3]

Question 8

ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है ,
नीचे चरण तले पड़, नित सिन्धु झूमता है |
गंगा ,यमुना ,त्रिवेणी नदियाँ लहर रही है ,
जगमग छटा निराली , पग-पग पर छहर रही है |
वह पुण्यभूमि मेरी , वह स्वर्णभूमि मेरी |

वह जन्मभूमि मेरी
(सोहनलाल द्विवेदी)

(i) इस कविता में किसका गुणगान किया गया है? उसकी कोई एक विशेषता लिखिए | [2]

(ii) 'नित सिन्धु झूमता' से क्या तात्पर्य है ? [2]

(iii) स्वर्णभूमि किसे और क्यों कहा गया है ? [3]

(iv) निराली छटा किसकी और किस प्रकार है ,कोई दो उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए | [3]

Question 9

कान लाय कछु कहत जसोदा दाऊहिं नाहि सुनैहौं |
चंदा हूँ ते अति सुंदर तोहि, नवल दुलहिया ब्यैहो ||
तेरी सौं मेरी सुन मैया, अबहीं ब्याहन जैहों |
सूरदास सब सखा बाराती, नूतन मंगल गैहौं ||

पद (सूरदास)

(i) कौन, किसे कान लाने को कह रहा है और क्यों ? [2]

(ii) अर्थ लिखें – तोहि , ब्यैहो , नवल , सखा | [2]

(iii) उपर्युक्त पद के आधार पर किसकी क्या जिद्द है ? बाराती कौन होंगे और क्या करेंगे? [3]

(iv) सूरदास का परिचय लिखिए | [3]

Question 10

"मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के
आगे –आगे नाचती गाती बयार चली
दरवाजे खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के| "

मेघ आए
(सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

(i) मेघों के लिए 'बन-ठन के सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है? [2]

(ii) हवा ने बादलों का स्वागत कैसे किया? [2]

(iii) दरवाजें व खिड़कियाँ खुलने का कारण क्या था? [3]

(iv) 'पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के' -आशय स्पष्ट कीजिए | [3]